

एमडीयू में शोध धीमी और नियंत्रित पोषण आपूर्ति से खाद की बर्बादी घटेगी

रोहित डागर ►► रोहतक

प्रदेश की मिट्टी में घटते सूक्ष्म पोषक तत्व खेती की उत्पादकता और मिट्टी की सेहत के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं। इस समस्या के समाधान की दिशा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में एक महत्वपूर्ण शोध चल रहा है। पर्यावरण विज्ञान विभाग की डॉ. बबीता के मार्गदर्शन में शोधार्थी मनीषा लोहचब ग्रीन-सिंथेसाइज्ड कॉपर-जिंक-आयरन नैनो उर्वरक विकसित करने पर काम कर रही हैं। प्राकृतिक पदार्थों की मदद से तैयार किए जा रहे इस नैनो उर्वरक का उद्देश्य फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की धीमी और नियंत्रित आपूर्ति करना है। शोध अभी प्रयोगशाला स्तर पर है, लेकिन सफल परीक्षणों के बाद यह टिकाऊ खेती की दिशा में नई संभावना बन सकता है।

पावनी ने स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स में जीता स्वर्ण पदक



रोहतक। जिले की होनहार बेटी पावनी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर एक बार फिर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। करनाल के कर्ण स्टेडियम में 29 और 30 अगस्त 2026 तक आयोजित हुई 11वीं हरियाणा स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026-27 में पावनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रायथलॉन-बी अंडर-14 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। गर्व काहनी की रहने वाली पावनी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद अब पावनी आगामी सितंबर में देहरादून में आयोजित होने वाले नेशनल खेलों में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके चयन से खेल प्रेमियों और परिजनों में भारी उत्साह है। परिजनों और शुभचिंतकों ने बेटी पावनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि वह इसी तरह अपनी मेहनत व लगन से देश व प्रदेश का मान बढ़ाती रहे।

■ देहरादून में करंजी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद अब पावनी आगामी सितंबर में देहरादून में आयोजित होने वाले नेशनल खेलों में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके चयन से खेल प्रेमियों और परिजनों में भारी उत्साह है। परिजनों और शुभचिंतकों ने बेटी पावनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि वह इसी तरह अपनी मेहनत व लगन से देश व प्रदेश का मान बढ़ाती रहे।

योग प्रतियोगिता में जगबीर आर्य ने अत्तल स्थान हासिल किया



रोहतक। छठी जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में भारत स्वाभिमान जिला अध्यक्ष जगबीर आर्य ने सीनियर वर्ग (सी कैटेगरी) में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल और योगा सर्टिफिकेट अपने नाम किया। सरस्वती पब्लिक स्कूल, माता दरवाजा में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में 200 से अधिक योग प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन और पुरस्कार वितरण समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इस अवसर पर विजेता छात्र-छात्राओं और योग साधकों को हरियाणा योग आयोग जिला रोहतक की सचिव दया आर्या, राकेश बुद्धिवाद, पतंजलि योग समिति के जिला अध्यक्ष सुनील वर्मा, जगबीर आर्य तथा अन्य गणमान्य अध्यापकों द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जगबीर आर्य के जिला योग चैंपियन बनने पर योग प्रेमियों, स्कूल स्टाफ और रोहतक वासियों में भारी उत्साह है। सुनील वर्मा, मोहित, पूनम और दया आर्या सहित तमाम योग प्रेमियों ने उन्हें इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

25 years of excellence
175 centres WORLDWIDE

technoGlobe®

(Flagship of VSM Infotech)

An Academy for IT Skilling

INDIA/CANADA/UK/ UAE/ SINGAPORE

सिर्फ 4 महीने में पाएं IT SECTOR में शानदार CAREER

➤ DIGITAL MARKETING

➤ WEB DEVELOPMENT

➤ GRAPHIC DESIGN

➤ ACCOUNTING

➤ DATA ANALYST

➤ CYBER SECURITY

236R, Tikona Park, Model Town
Rohtak | Contact: 9996482662

हरियाणा की 46% मिट्टी में जिंक की कमी चुनौती, नैनो उर्वरक देगा पोषण, फील्ड ट्रायल के बाद ही सामने आएगी वास्तविक उपयोगिता

मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी

शोधार्थी मनीषा ने बताया कि हरियाणा के कृषि परिवर्तन की बात करते तो यहां की मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी है। कृषि रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रदेश में लगभग 46% मिट्टी में जिंक, 12% आयरन और 3.6% कॉपर की कमी (डिफिशिएंट) मिली है। इन्हें दूर करने के लिए यह विशेष रूप से तैयार किया गया नैनो-फर्टिलाइजर बेहद प्रभावी साबित हो सकता है। यह तकनीक फसलों को कॉपर, जिंक और आयरन की धीमी और नियंत्रित आपूर्ति सुनिश्चित करती है। हालांकि, यह तकनीक सीधे तौर पर डीएपी और यूरिया जैसे मुख्य मैक्रोन्यूट्रिएंट्स (नाइट्रोजन और फॉस्फोरस) का विकल्प नहीं है, क्योंकि वे प्राथमिक मैक्रोन्यूट्रिएंट्स स्रोत हैं। इसके बावजूद, जब पौधों को माइक्रोन्यूट्रिएंट्स अत्यधिक कुशलता से मिलने लगेंगे, तो उनकी कुल न्यूट्रिएंट यूज एफिशिएंसी में सुधार होगा, जिससे कुल मिलाकर रासायनिक खादों की आवश्यकता को कम करने में मदद मिलेगी।

इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत इसका 'ग्रीन सिंथेसिस' दृष्टिकोण है। इस शोध में प्राकृतिक पॉलिमर जैसे गोद और एरिगुलाइट का उपयोग किया है, जो पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल हैं। यही वजह है कि इसके पर्यावरणीय प्रभाव न्यूनतम होने की उम्मीद है। फिर भी, नैनो-मटेरियल के दीर्घकालिक पर्यावरणीय प्रभावों की पूरी तरह से परखने के लिए विस्तृत अध्ययन और वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी हैं।

छोटे किसानों के लिए क्या

नैनो-फर्टिलाइजर की मात्रा पारंपरिक खादों की तुलना में बहुत कम है। इसके परिवहन और भंडारण का खर्च भी कम होगा। छोटे और सीमांत किसान को सस्ते दामों पर मिल सकेगा। हालांकि कीमते बाद में ही तय हो पाएंगी।

पर्यावरण के अनुकूल

पारंपरिक उर्वरकों से कितना अलग

अब तक किसान फसलों में जिंक सल्फेट, आयरन सल्फेट और कॉपर सल्फेट जैसे पारंपरिक सूक्ष्म पोषक उर्वरकों का उपयोग करते आए हैं। प्रारंभिक प्रयोगशाला परिणाम बताते हैं कि यह नया नैनो-फर्टिलाइजर भविष्य में इन पारंपरिक उर्वरकों का एक बेहतर और आधुनिक विकल्प बन सकता है। पारंपरिक उर्वरकों में अवसर लीचिंग और वाष्पीकरण के कारण पोषक तत्वों का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है। इसके विपरीत, नैनो-फर्टिलाइजर की स्लो-रिलीज टेक्नोलॉजी के कारण उर्वरक की बर्बादी उकती है और पौधों को लंबे समय तक लगातार पोषण मिलता है।

चुनौतियां और भविष्य की राह

- **ग्रीनहाउस और भली-लोकेशन फील्ड ट्रायल:** विभिन्न भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों में इसके प्रभावों का परीक्षण।
- **फसल और मिट्टी की विविधता:** अलग-अलग फसलों और विभिन्न प्रकार की मिट्टियों पर इसका सत्यापन।
- **पर्यावरणीय सुरक्षा और प्रभाव:** दीर्घकालिक पर्यावरण और मिट्टी के सूक्ष्मजीवों पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन।
- **कमर्शियल प्रोडक्शन और लागत निर्धारण:** बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रक्रिया को विकसित करना ताकि भविष्य में यह छोटे और सीमांत किसानों के लिए किफायती साबित हो सके।

शोध का मुख्य उद्देश्य

- फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्व अत्यंत कुशलता से प्रदान करें।
- कृषि में पोषक तत्वों के नुकसान को न्यूनतम करें।
- फसल की पोषक तत्व उपयोग दक्षता में सुधार करें।
- पारंपरिक माइक्रोन्यूट्रिएंट फर्टिलाइजर का एक किफायती, टिकाऊ और पर्यावरण-हितैषी विकल्प बने।
- जब ग्रीनहाउस और बहु-स्तरीय फील्ड ट्रायल पूरे हो जाएंगे, तब यह तकनीक हरियाणा और देश के अन्य हिस्सों के किसानों के लिए कृषि आय और सीमांत किसानों के लिए किफायती साबित हो सकती है।

पंडित नेकीराम कॉलेज में मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

फुटबॉल और बेसबॉल में बीए पास कोर्स ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय, रोहतक में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर चल रहे तीन दिवसीय खेल समारोह के दूसरे दिन खेल मैदान विद्यार्थियों के जोश और उत्साह से सराबोर रहा। दूसरे दिन फुटबॉल एवं बेसबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। फुटबॉल में बेहतरीन खेल के बीच बीए पास कोर्स की टीम ने 3-2 से जीतकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया और कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि इनके माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व जैसे गुणों का भी विकास होता है। फुटबॉल प्रतियोगिता में शुरुआत से ही मुकाबले बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रहे। बीए पास कोर्स की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीएससी लाइफ साइंस की टीम को शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में बीए ऑनर्स की टीम ने बीएससी फिजिकल

रोहतक। फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

फोटो: हरिभूमि

साइंस को पराजित कर फाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित किया। फाइनल मुकाबले में बीए पास कोर्स और बीए ऑनर्स की टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। इसके पश्चात आयोजित बेसबॉल प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लिया। बीकॉम एवं एमकॉम की संयुक्त टीम, बीए ऑनर्स, बीए पास कोर्स तथा बीएससी लाइफ साइंस एवं फिजिकल साइंस की संयुक्त टीम ने प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश की। सेमीफाइनल मुकाबलों में बीएससी लाइफ साइंस एवं फिजिकल साइंस की संयुक्त टीम ने बीकॉम एवं एमकॉम की संयुक्त टीम को तथा बीए पास कोर्स की टीम ने बीए ऑनर्स की टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में बीए पास कोर्स की टीम ने शानदार

प्रदर्शन करते हुए बीएससी लाइफ साइंस एवं फिजिकल साइंस की संयुक्त टीम को 5-2 से पराजित कर बेसबॉल प्रतियोगिता का खिताब हासिल किया। खेल समारोह को सफल बनाने में शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कादियान, डॉ. राजेश, डॉ. मस्तुराम एवं डॉ. प्रवीण धायल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का अवसर मिला। इस अवसर पर डॉ. राजीव, डॉ. विकास, सुनील, रोहित राठी, विश्वबन्धु, राजेश, देवेन्द्र, सुमित, पंकज, नवीन एवं रवीन कादियान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जेवलिन थ्रो में रोहतक के प्रिस प्रथम

रोहतक। स्थानीय कर्ण स्टेडियम में दो दिवसीय 11वीं हरियाणा स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शनदार आगान हुआ। 29 एवं 30 अगस्त को आयोजित इस प्रतियोगिता के पहले दिन प्रदेशभर से पहुंचे युवा एथलीटों ने ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में अपने खेल कौशल और दमखम का बेहतरीन प्रदर्शन किया। मीडिया प्रमारी सत्यवीर धनखंड ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन 100 मीटर, 400 मीटर, 600 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर, स्टीपलचेज, हाई जंप, लॉन्ग जंप, पोल वॉल्ट, डिस्कस थ्रो और जेवेलिन थ्रो समेत विभिन्न आयु वर्ग की स्पर्धाओं के रोमांचक मुकाबले हुए। एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने प्रमाणों की जानकारी देते हुए बताया कि बालक अंडर-20 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में जाइजर के दीपांशु ने प्रथम, अमन ने द्वितीय और उपलव के प्रदीप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग की 1500 मीटर स्पर्धा में जाँद के बिल्लू प्रथम, महेंद्रगढ़ के दीपेन्द्र द्वितीय और नूढ़ के आदेश जिल्दर तृतीय रहे, जबकि 5000 मीटर में गुरुग्राम के अक्वनीश और पानीपत के मन्जीत व हिमांशु ने शीर्ष स्थान हासिल किए। बालक अंडर-18 वर्ग की 400 मीटर दौड़ में रेवाड़ी के आदित्य प्रथम, कैथल के मयंक द्वितीय और गुरुग्राम के जेम्स राव तृतीय स्थान पर रहे, वहीं जेवेलिन थ्रो में रोहतक के प्रिस ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भिवानी के आर्यन यादव दूसरे और झज्जर के प्रतीक जाखड़ तीसरे स्थान पर रहे। बालक अंडर-16 वर्ग

की 60 मीटर दौड़ में पानीपत के मानव प्रथम, चरखी बंदरी के मयंक दुई द्वितीय और फरीदाबाद के कृष् सिंह तृतीय रहे। बालिका वर्ग में भी खिलाड़ियों ने कड़ा मुकाबला पेश किया। अंडर-20 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में पानीपत की मन्जत ने प्रथम, रोहतक की जिया ने द्वितीय और हिसार की सुशुब् ने तृतीय स्थान हासिल किया। 5000 मीटर दौड़ में पानीपत की मोनी प्रथम, फरीदाबाद की नेहा जैनी द्वितीय और सिरसा की ममता तृतीय रही। बालिका अंडर-18 वर्ग की 100 मीटर स्पर्धा में भिवानी की वरुणा प्रथम, हिसार की इशु द्वितीय और करनाल की वैष्णो कांची तृतीय स्थान पर रही, जबकि जेवेलिन थ्रो में भिवानी की कशिश व मौनिका बरसवाल ने क्रमशः पहला व दूसरा स्थान तथा झज्जर की इंदु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका अंडर-16 वर्ग की 60 मीटर दौड़ में पानीपत की अनुष्का प्रथम और कैथल की अनामिका व हरमन देवी क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही।

■ स्टेट ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिवानी के आर्यन दूसरे व झज्जर के प्रतीक तीसरे स्थान पर रहे

एमडीयू में जो खेलेगा, वो खिलेगा और खेलेगा भारत, जीतेगा भारत का गूंजा संदेश

रोहतक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान जो खेलेगा, वो खिलेगा और खेलेगा भारत, जीतेगा भारत के संदेश के साथ महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 28 अगस्त से चल रहे राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह का समापन हुआ। समापन समारोह में डॉन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। उपस्थितजन ने भारतीय हॉकी में उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। अंतिम दिन योग सत्र का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक मनीष कुमार और नरेश अहलावत ने योग सत्र का संचालन एवं समन्वयन किया। प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया गया। खेल निदेशक कुलतान सिंह ने कहा कि कुलवर्ति प्रो. निलाप पूनिया के कुशल नेतृत्व में एमडीयू खेलों और खिलाड़ियों को पूरा प्रोत्साहन दे रहा है। मुख्यातिथि प्रो. सपना गर्ग ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस अवसर पर सहायक खेल निदेशक विपिन सैनी, निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी, खेल अधिकारी, खिलाड़ी, विद्यार्थी और खेल प्रेमी मौजूद रहे। समारोह का समापन खेल भावना को मजबूत करने और स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के संकेतक के साथ हुआ।

रोहतक। योग करते प्रोफेसर व विद्यार्थी।

फोटो: हरिभूमि

एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 6वीं जिला योगासन खेल प्रतियोगिता

सब-जूनियर में ऋषिका प्रथम और निशा रही द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ►► रोहतक

जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से रविवार को स्थानीय एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल (माता दरवाजा, रोहतक) में 6वीं जिला योगासन खेल प्रतियोगिता 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। हरियाणा योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं योगासना भारत के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिलेभर के खिलाड़ियों ने बहु-चक्रकर हिस्सा लिया और अपने योग कौशल, संतुलन, लचीलेपन व

ये रहे मौजूद

विशिष्ट अतिथि के रूप में दया आर्या, युक्तीत वर्मा, ऋषि देव और जगबीर आर्य ने पहुंचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। एमएस सरस्वती स्कूल की प्राचार्य रीतू और अन्य सहयोगियों का भी आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता को सुचारु रूप से संचालन करने में जिला योगासन एसोसिएशन के सचिव राकेश बुधवार, पूनम, संजम, सोम सैनी, राजेश कुमार, रितिका, ज्योति आर्या, फारुल, नवीन, ज्योति और नीशू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एकाग्रता का उत्कृष्ट प्रदर्शन ऋषिका प्रथम, निशा द्वितीय किया। सब-जूनियर वर्ग में व पूजा तृतीय स्थान पर रही।

मुख्य परिणाम इस प्रकार रहे

महिला वर्ग (ट्रेंडिशनल): सब-जूनियर वर्ग में ऋषिका (प्रथम), निशा (द्वितीय) व पूजा (तृतीय), जूनियर वर्ग में शिखा (प्रथम), निरिशा (द्वितीय) व मनीषा (तृतीय); सीनियर वर्ग में रितिका (प्रथम), शिवानी (द्वितीय) व रिनु (तृतीय); सीनियर-प में विजिता (प्रथम); तथा सीनियर-बी वर्ग में सुमन बुधवार (प्रथम) व कोमल कादियाल (द्वितीय) ने बाजी मारी। महिला वर्ग (ऑस्ट्रेटिक सिगल): सब-जूनियर में ऋषिका (प्रथम), शिखल (द्वितीय), प्रज्ञा (तृतीय); जूनियर में सत्यम कुमार (प्रथम), आशीष (द्वितीय), वरिष्ठ वर्ग में दीपांशु (प्रथम) रहे। ऑस्ट्रेटिक पेयर के सब-जूनियर में सौनाक्षी-अवनी (प्रथम) और पूजा-शिखल (द्वितीय); जूनियर में काजल-प्रीति (प्रथम) और पायल-पिया (द्वितीय); सीनियर में संगीता-रितिका (प्रथम) रहे। वहीं, रिदमिक पेयर के सब-जूनियर में सौनाक्षी-अवनी (प्रथम), दीक्षा-गुंजन (द्वितीय); तथा जूनियर में काजल-शिखा (प्रथम) और निरिशा-ननीषा (द्वितीय) विजेता बने। पुरुष वर्ग (ट्रेंडिशनल): सब-जूनियर में देव (प्रथम), रिहान राणा (द्वितीय), जतिन देसवाल (तृतीय); जूनियर में मानव (प्रथम), रन्वी (द्वितीय); सीनियर में दीपांशु (प्रथम), सलीम (द्वितीय); और सीनियर-सी वर्ग में जगबीर सिंह आर्य (प्रथम) व देवेन्द्र सिंह (द्वितीय) विजयी रहे। पुरुष वर्ग (ऑस्ट्रेटिक रिदमिक): ऑस्ट्रेटिक सिगल के सब-जूनियर में संजत (प्रथम), रिहान राणा (द्वितीय); जूनियर में सत्यम कुमार (प्रथम), आशीष (द्वितीय), वरिष्ठ वर्ग में दीपांशु (प्रथम) रहे। ऑस्ट्रेटिक पेयर में वंश-विनय (सब-जूनियर) और दक्ष-सत्यम कुमार (जूनियर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिदमिक पेयर सब-जूनियर में लक्ष और टिकू प्रथम रहे।

जिला स्तरीय गतका प्रतियोगिता में रोहन ने प्रथम स्थान हासिल किया

रोहतक। गतका एसोसिएशन रोहतक द्वारा प्रथम जिला स्तरीय गतका प्रतियोगिता का आयोजन नारायणा मॉडर्न स्कूल रोहतक में किया गया। प्रतियोगिता में रोहतक जिले के विभिन्न स्कूलों से अंडर-11, अंडर-14 एवं अंडर-17 आयु वर्ग के लगभग 70 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिका, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। अंडर-11 बालक वर्ग में रोहन ने प्रथम, प्रत्येक ने द्वितीय तथा सीरॉ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर-11 बालिका वर्ग में नव्या ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर-14 वर्ग में हर्ष प्रथम तथा रोजित द्वितीय स्थान पर रहे। सभी विजेता खिलाड़ियों को जिला गतका एसोसिएशन रोहतक के प्रधान डॉ. दिपेन्द्र आर्य एवं करमजीत नैन द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। डॉ. दिपेन्द्र आर्य ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को जीवन में कम से कम एक खेल अवश्य खेलना चाहिए। उन्होंने गतका सहित मल्लखंब, आदुर्या-पाट्ट्या, थांग-ता, कलरीपयट्ट, योग एवं अन्य पारंपरिक खेलों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। जिला गतका एसोसिएशन रोहतक की सचिव मनीषा ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ी 5 से 7 सितंबर 6 तक रतिया, फतेहबाद में आयोजित राज्य स्तरीय गतका प्रतियोगिता में रोहतक जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

